5. किन्हीं **तीन** पर टिपण्णी लिखिए : (5,5,5)

(i) नाथ साहित्य

(ii) अवधी भाषा का विकास

(iii) किसी एक आधुनिक भारतीय भाषा का सामान्य परिचय

(iv) कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृतियां

(v) छायावाद

(vi) नई कविता

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4405 **E**

Unique Paper Code : 52051222

Name of the Paper : MIL, Hindi-B (Hindi Bhasha aur Sahitya)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Ramanujan College Library Kalkaji, New Delhi-110019

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : (10,10,10)

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता ज्ञान ।।

अथवा

पद पखारि जलु पान करि आपु सहित परिवार ।
पितर पारु करि प्रभुहि पुनि मुदित गयउ लेइ पार ।।

P.T.O.

(ख) या अनुरागी चित की गति समुझै नहिं कोई

ज्यौं ज्यौं बूडै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्ज्वलु होई।

अथवा

इंद्र जिम जंभ पर, बाडव ज्यों अंभ पर रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।

पौन वारिवाह पर संभु रतिनाह पर ज्यौं सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज हैं।

दावा द्रुमदंड पर चीता मृग्झुंड पर भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज हैं।

तेज तम-अंस पर, कान्ह जिम कंस पर यौ मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।

(ग) लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा।।

बरसाती आँखो के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।

लहरें टकराती अनंत की, पाकर जहाँ किनारा।

अथवा

तू ना थकेगा कभी,

तू न रुकेगा कभी,

तू न मुड़ेगा कभी,

कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,

अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिये। (10)

(क) भूषण

(ख) जयशंकर प्रसाद

3. बिहारी की काव्य कला पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (10)

अथवा

तुलसी की भक्ति-भावना का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

4. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कविता का सार लिखिए। (10)

अथवा

'अग्निपथ' कविता का कथ्य स्पष्ट कीजिए।